सी.एन.सी.सी–2

पोषण और बाल देखभाल में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(सी.एन.सी.सी)

बाल देखभाल सेवाओं का संगठन (सी.एन.सी.सी–2)

सत्रीय कार्य 2

जनवरी सत्र 2026

एंव

जुलाई सत्र 2026

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सतत् शिक्षा विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

पोषण और बाल देखभाल में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

सत्रीय कार्य–2

2026

प्रिय छात्र/ छात्राओं

आपको कुल दो सत्रीय कार्य करने होंगे।प्रत्येक सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है।प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंक का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य का खंडवार विभाजन निम्नलिखित रूप में हैः

सत्रीय कार्य 2 (टी.एम.ए.) –सी.एन.सी.सी.–2 पर आधारित है।

निर्देश

सत्रीय कार्यो को करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

1. कार्यक्रम दार्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए, विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।
2. अपनी उत्तर शीट(शीटों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर शीट (शीटों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आपका संबद्ध हैं।

आपकी उत्तर शीट के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

नामांकन संख्या.. नाम ....

पाठयक्रम शीर्षक .... पता ....

सत्रीय कार्य संख्या ....

तारीख ....

अध्ययन केंद्र ....

4. अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज़ का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।
5. प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।
6. अपनी लिखावट में ही लिखें।
7. प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उस अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें, जो आपको आवंटित किया गया है।

विशेष ध्यान देने योग्य बात

यह बात सामने आई है कि कुछ छात्र बोध प्रश्नों के अभ्यासों के उत्तर, विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं।कृपया इन्हें हमारे पास मत भेजिए। ये अभ्यास आपको स्वयं अपनी उन्नति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्देश्य हेतु, हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इन अभ्यासों के उत्तर दिए हैं। कार्यक्रम दार्शिका में हम यह बात पहले ही बता चुके हैं। अपनी उत्तर पत्रिका भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा हैः

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है।
- पाठ्यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखा है।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग शीटों पर लिखा है और सही ढंग से बाँध दिया है।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं।

अब, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले यह निर्देश पढ़ लें।

सी.एन.सी.सी–2 के सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

सत्रीय कार्य 2के तीन भाग हैं–भाग 'क', 'ख' एंव 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एंव 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं।इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20–20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे।आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पडेगा।

सत्रीय कार्य 2 के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं।इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा पाठ्यक्रम **सी.एन.सी.सी–2** से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **नियमावली में 9–10 अभ्यास है, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हेतु करने हैं**।नियमावली में से कौन से अभ्यास के लिए करने हैं, यह सत्रीय कार्य 2 के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताया गया है। **तथापि हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चो के साथ अंतःक्रिया करने के कौशल भी विकसित कर पाएँगे और आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

ध्यान रखने योग्य बातें

निम्नलिखित बातों को ध्यान रखना आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा :

1. **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यान पूर्वक पढ़ें।वे जिन इकाइयों पर आधारित हैं उनका अध्ययन ध्यानपूर्वक करें।प्रत्येक प्रश्न से संभंधित कुछ बातें नोट करें और तत्पश्चात् उन्हें तर्कसंगत क्रम में व्यवस्थित करें।

2. **संगठन** :अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उसके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।किसी प्रश्न का उतर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यानदें।

प्रस्तावना में संक्षेप में प्रश्न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसको कैसे स्पष्ट करेंगे।निष्कर्ष में आपको प्रश्न के उत्तर का सारांश प्रस्तुत करना चाहिए।

यह निश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संभंध है।

ग) आपने अपनी अभिव्याक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा हुआ है।

घ) आपके उत्तर प्रश्न में निर्दिष्ट शब्दों की संख्या से ज्यादा नहीं है।

3. **प्रस्तुतीकरण** :जब आपको अपने उत्तर संतोष जनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बातों पर आप विशेष हल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।

सत्रीय कार्य 2

टी एम ए – 2

पाठ्यक्रम कोड : सी.एन.सी.सी –2

सत्रीय कार्य कोड : सी.एन.सी.सी –2/टीएमए–2/2026

जनवरी, 2026 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 15 मई 2026

जुलाई, 2026 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 15 नवम्बर 2026

कुल अंक: 100

इस सत्रीय कार्य के सभी तीन भाग — A, B और C अनिवार्य हैं।

(भाग क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 60 अंक

1. जीवन के प्रथम दो वर्षों में भाषा विकास की अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए।

(500 शब्द) (5 अंक)

2. 4 वर्ष के बच्चों के समूह में निम्नलिखित के विकास को बढावा देने के लिए आप जो एक-एक गतिविधि की योजना बनाएँगे, उसका वर्णन कीजिए:
   (a) स्थान की समझ
   (b) क्रियात्मक विकास
   (c) सामाजिक-भावनात्मक विकास
   (d) कारण और प्रभाव संबंध का विकास

प्रत्येक गतिविधि के लिए आवश्यक सामग्री (यदि कोई हो) तथा गतिविधि को करने की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए। (प्रत्येक गतिविधि 150-200 शब्द) (3×4 = 12 अंक)

3. छोटे बच्चों में आक्रामकता के किसी भी तीन कारणों की चर्चा कीजिए। उन तीन रणनीतियों की व्याख्या कीजिए जिनके माध्यम से माता-पिता बच्चे के आक्रामक व्यवहार को संभाल सकते हैं।

(500 शब्द) (3+3 = 6 अंक)

4. माता-पिता के व्यवहार की विभिन्न शैलियों की व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि माता-पिता के व्यवहार की प्रत्येक शैली बच्चे के व्यक्तित्व को किस प्रकार प्रभावित करती है।

(800 शब्द; 12 अंक)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए:
   (a) शालापूर्व बच्चे की दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को समझने की क्षमता
   (b) दीर्घकालिक लक्ष्य
   (c) बच्चों के विकास में खेल का महत्व
   (d) विकास की संवेदनशील अवस्थाएँ (Critical Periods)
   (e) नवजात शिशु की क्षमताएँ

(3×5 = 15 अंक)

6. ECCE केंद्र में स्थान तथा खेल सामग्री का मूल्यांकन करते समय आप किन-किन बिंदुओं का ध्यान रखेंगे? अपने उत्तर के समर्थन में एक जाँच-सूची तैयार कीजिए।

(500 शब्द; 5 अंक)

7. माता-पिता को बाल देखभाल केंद्र की गतिविधियों में शामिल करने हेतु उनसे संपर्क स्थापित करने की किसी भी दो विधियों की चर्चा कीजिए।

(500 शब्द; 5 अंक)

भाग (ख)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चो ं के अवलोकन से संबंधित कोई भी एक अभ्यास करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यो की नियमावली में वर्णित 4,6 या 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 4

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	बच्चे तथा माता–पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना:	10 अंक
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक

अभ्यास 6

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	बच्चे का अवलोकन करना तथा अवलोकनों का रिकार्ड करना :	10 अंक
	अवलोकनों को विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक

अभ्यास 7

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	5+5= 10 अंक
	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	5+5= 10 अंक

भाग (ग)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8 या 9 अभ्यासों मे ं से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपकोखेल क्रियाओं की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैंः

अभ्यास 5

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों को रिकार्ड करनाः	**10 अंक**
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	**10 अंक**

अभ्यास 8

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना :	**5+5= 10 अंक**
	क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	**5+5= 10 अंक**

अभ्यास 9

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करनाः	**2 अंक**
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देनाः	**6 अंक**
	सप्ताह भर की गतविधियों की अनुसूची बनानाः	**6 अंक**
	गतिविधियों की अनुसूचियों का संक्षिप्त विवरणः	**6 अंक**